www.CBSEtips.in

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र, 2022-23

विषय- हिंदी 'अ' (कोड-002)

कक्षा-10, अंक-योजना

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

(1) इस अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। इस प्रश्नपत्र में वस्तुपरक एवं वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अत: अंक योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

(2) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।

(3) समान त्रुटियों के लिए स्थान-स्थान पर अंक न काटे जाएँ।

(4) गुणवत्तापूर्ण, सटीक उत्तर पर शत प्रतिशत अंक देने में किसी प्रकार का संकोच न किया जाए।

(5) मूल्यांकन में 0 से 100 प्रतिशत अंकों का पैमाना स्वीकार्य है।

(6) मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

	खंड-क (वस्तुपरक/बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर)	
प्र.क्रम. सं.	**उत्तर**	**अंक विभाजन**
प्रश्न 1.	**अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न**	**1×5=5**
(1)	(क) कथन i सही है।	1 अंक
(2)	(घ) बनावट व सजावट से	1 अंक
(3)	(क) निजी जीवन व एकांतिकता में	1 अंक
(4)	(ख) आधार	1 अंक
(5)	(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1 अंक
प्रश्न 2.	**अपठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न**	**1×5=5**
(1)	(ग) कथन i, iii व iv सही हैं।	1 अंक
(2)	(घ) जीवन व जीवन के बाद भी आदर्श रूप में स्मरण किया जाना।	1 अंक
(3)	(ग) जुझारू बनकर स्वयं ही जीवन के दुख दूर किए जा सकते हैं।	1 अंक
(4)	(घ) अपनी दुर्बलताओं की अनदेखी न करके उन्हें दृढ़ता से दूर करना।	1 अंक
(5)	(ख) कथन i व iv सही हैं।	1 अंक

	अथवा	
(1)	(ग) कथन ii व iv सही हैं।	1 अंक
(2)	(ख) अति आवश्यक कार्य एवं मन के भावात्मक सपने	1 अंक
(3)	(ग) फ़सल की कुशलता हेतु मन ही मन ईश्वर से प्रार्थना करना	1 अंक
(4)	(ख) ईश्वर पर विश्वास, किंतु फ़सल की कुशलता को लेकर मन आशंकित रहना	1 अंक
(5)	(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	1 अंक
प्रश्न 3.	**'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	**1×4=4**
(1)	(क) तुम और मैं दोनों ही वहाँ नहीं जा सके।	1 अंक
(2)	(ख) सूर्योदय होता है और प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है।	1 अंक
(3)	(ख) आप आवाज़ उठाएँगे, तो सभी आपके साथ खड़े हो जाएँगे।	1 अंक
(4)	(घ) कथन i, ii, iii व iv सही हैं।	1 अंक
(5)	(ख) 1-ii, 2-iii, 3-i	1 अंक
प्रश्न 4.	**'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	**1×4=4**
(1)	(क) 1-ii, 2-i, 3-iii	1 अंक
(2)	(ख) रवीना से ग़ज़ल नहीं गाई जाती है।	1 अंक
(3)	(क) चलो, अब घर चलें।	1 अंक
(4)	(ग) दादी जी से पढ़ा नहीं जा सकता।	1 अंक
(5)	(ख) बिना सहारे बूढ़ी माँ अब चल नहीं पाती हैं।	1 अंक
प्रश्न 5.	**'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	**1×4=4**
(1)	(क) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक।	1 अंक
(2)	(क) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, विशेष्य क्रिया-मारे।	1 अंक
(3)	(ख) सार्वनामिक विशेषण, विशेष्य- पुस्तक।	1 अंक
(4)	(ख) सकर्मक क्रिया, कर्म-पान, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य।	1 अंक
(5)	(ग) पहला कुछ- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, दूसरा कुछ-अनिश्चयवाचक सर्वनाम।	1 अंक

प्रश्न 6.	**'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	**1×4=4**
(1)	(क) श्लेष	1 अंक
(2)	(ख) उत्प्रेक्षा	1 अंक
(3)	(घ) अतिशयोक्ति	1 अंक
(4)	(ग) मानवीकरण	1 अंक
(5)	(ख) उत्प्रेक्षा	1 अंक
प्रश्न 7.	**पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प अपेक्षित**	**1×5=5**
(1)	(ख) देशभक्तों का मज़ाक उड़ाने वाली बिकाऊ कौम को देखकर	1 अंक
(2)	(ग) मूर्तिकार मास्टर की भूल और कैप्टन की मृत्यु के कारण	1 अंक
(3)	(ग) चौराहे पर आते ही स्वभावतः मूर्ति की ओर उठ गईं	1 अंक
(4)	(ख) नेता जी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगा देखकर	1 अंक
(5)	(ग) देशभक्तों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का	1 अंक
प्रश्न 8.	**गद्य पाठों पर आधारित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प अपेक्षित**	**1×2=2**
(1)	(ग) सात्विक गृहस्थ जीवन, सत्यवादिता, शुद्ध व्यवहार, कबीर दर्शन से सज्जित आत्मा	1 अंक
(2)	(घ) यह विद्वानों, कला-मर्मज्ञों, कलाकारों, स्नेह व सद्भावना की पावन स्थली है	1 अंक
प्रश्न 9.	**पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प अपेक्षित**	**1×5=5**
(1)	(ख) प्रधान गायक के लिए	1 अंक
(2)	(घ) गायक का कंठ कमज़ोर होने तथा प्रेरणा व उत्साह में गिरावट आने पर	1 अंक
(3)	(ग) किसी की सफलता में निस्स्वार्थ सहयोग करने की भावना का	1 अंक
(4)	(ख) उसे यह संदेश देने के लिए कि वह स्वयं को अकेला न समझे	1 अंक
(5)	(ग) स्वयं को विशिष्ट न बनाकर प्रधान गायक की विशिष्टता बढ़ाने से	1 अंक
प्रश्न 10.	**पद्य पाठों पर आधारित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प अपेक्षित**	**1×2=2**
(1)	(ग) कृषि संस्कृति से निकटता, प्रकृति एवं मनुष्य के सहयोग से सृजन	1 अंक
(2)	(घ) गोपियों का ज्ञान मार्ग के स्थान पर प्रेम मार्ग को पसंद करना	1 अंक

	खंड-ख (वर्णनात्मक प्रश्नों के संभावित संकेत एवं रचनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्नों के मूल्यांकन बिंदु)	
प्रश्न 11.	**गद्य पाठों पर आधारित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्द प्रति प्रश्न अपेक्षित (दिए गए बिंदुओं में से शब्द सीमा के अनुरूप दो या तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)**	**(2x3=6)**
(क)	•सकारात्मक सनक का अर्थ है- किसी कार्य की धुन का पक्का होना और लगन, मेहनत तथा ईमानदारी से उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह जुटकर प्रयास करना। जैसे- वैज्ञानिक, महापुरुष, आज़ादी के मतवाले क्रांतिकारी, सामाजिक बुराइयों को समूल नष्ट करने की ठानने वाले समाज सुधारक। • पहाड़ काटकर रास्ता बनाने वाले दशरथ माँझी जैसे सकारात्मक सनक वाले व्यक्तियों के उदाहरण...	2 अंक
(ख)	महानगरों की 'फ़्लैट-कल्चर' में जीवन केवल अपने तक सीमित हो गया है, यहाँ एकाकीपन प्रिय होता जा रहा है, किसी को किसी से कोई मतलब नहीं है, ऐसा जीवन असहाय और असुरक्षित होता है। इसके विपरीत परंपरागत 'पड़ोस कल्चर' में घर की दीवारें पड़ोस तक फैली हुई थीं अर्थात जीवन केवल अपने तक सिमटा हुआ नहीं था। सब अपनत्व के बंधन में बँधे थे, ऐसा जीवन अधिक आनंदपूर्ण व सुरक्षित था।	2 अंक
(ग)	मांगलिक अवसरों पर वातावरण में पवित्रता व आनंद भरने के लिए वाद्ययंत्रों से बजाई जाने वाली ध्वनि मंगलध्वनि कहलाती है। शहनाई मंगलध्वनि का प्रमुख वाद्य है। बिस्मिल्ला खाँ ने अपनी साधना से शहनाई को साध लिया था। तन्मयता के साथ शहनाई बजाकर वातावरण को मंगलपूरित करने में उन्हें महारथ हासिल थी। इन विशेषताओं के कारण उन्हें मंगलध्वनि का नायक कहा जाता है।	2 अंक
(घ)	'संस्कृत व्यक्ति' वह होता है, जिसमें अपनी बुद्धि तथा योग्यता के बल पर कुछ नया करने की क्षमता हो। उदाहरण के लिए - न्यूटन। न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया। इस आधार पर न्यूटन संस्कृत मानव सिद्ध होते हैं क्योंकि उन्होंने कुछ नया सोचा और नवीन खोज कर डाली।	2 अंक

प्रश्न 12.	**पद्य पाठों पर आधारित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्द प्रति प्रश्न अपेक्षित (दिए गए बिंदुओं में से शब्द सीमा के अनुरूप दो या तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)**	**(2x3=6)**
(क)	क्रोध से बात और अधिक बिगड़ने की संभावना रहती है। क्रोधी व्यक्ति का वाणी पर नियंत्रण नहीं होता। प्रत्युत्तर में विपक्षी भी कटु व व्यंग्य वचन सुनाता है। पाठ में भी परशुराम जी के क्रोध करने के कारण लक्ष्मण जी ने भी उनकी अवस्था व पद का ध्यान न रखकर उन्हें कठोर उत्तर दिए, यदि श्रीराम की विनम्रता बीच में न होती, तो न जाने परिणाम क्या हो सकता था?	2 अंक
(ख)	'उत्साह' कविता में कवि ने बादल से फुहार, रिमझिम तथा बरसने के स्थान पर गरजने के लिए कहा है। फुहार, रिमझिम, बरसना कोमलता व मृदुल सोच के प्रतीक हैं, किंतु जब नवीन परिवर्तन लाना हो, तो 'गर्जन' यानी विद्रोह और क्रांति की आवश्यकता होती है। इसलिए कवि ने बादल से गरजकर नवीनता लाने के लिए विध्वंस, विप्लव और क्रांति के साथ नूतन विद्रोह का आह्वान किया है।	2 अंक
(ग)	'पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण।' यह पंक्ति 'एक दंतुरित मुसकान' कविता से ली गई है। इसके माध्यम से कवि ने शिशु की भोली मुसकान के प्रभाव का वर्णन किया है कि उसे देखकर पाषाण के समान ह्रदय भी स्नेहिलता का अनुभव करता है और उसकी मुस्कान में खो जाना चाहता है।	2 अंक
(घ)	आत्मकथा लिखने की लिए व्यक्तित्व की विशालता के साथ-साथ सच्चाई, साहस और ईमानदारी की आवश्यकता होती है। लेखक के अंदर ये गुण तो थे, किंतु विनम्रता व महानता के कारण वे स्वयं के जीवन को आत्मकथा लिखने योग्य नहीं मानते थे, उन्हें लगता था कि अभी उन्होंने इतने बड़े कार्य नहीं किए हैं कि उनकी आत्मकथा में लोगों के लिए कुछ प्रेरणा हो।	2 अंक

<table>
<tr><td>प्रश्न 13.</td><td>पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर
लगभग 50-60 शब्द प्रति प्रश्न अपेक्षित
(दिए गए बिंदुओं में से शब्द सीमा के अनुरूप चार या पाँच बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)</td><td>(4x2=8)</td></tr>
<tr><td>(क)</td><td>हमारी पीढ़ी ने प्रकृति का अंधाधुंध तरीके से दोहन किया है। उसने प्रदूषण व वृक्षों के कटाव से पर्यावरणीय संतुलन बिगाड़ा है। इससे प्रकृति की लय, ताल और गति बिगड़ी है, जिसके भयावह परिणाम सामने आ रहे हैं। मनुष्य को प्रकृति व पर्यावरण की कराह सुनकर उनके अनुकूल व्यवहार करना चाहिए। पर्यटन स्थलों पर 'प्रकृति मित्र' बनकर प्लास्टिक, पॉलीथिन आदि नहीं फेंकने चाहिए। 'प्रकृति व पर्यावरण मित्र' की भूमिका संकल्पित होकर निभानी चाहिए।</td><td>4 अंक</td></tr>
<tr><td>(ख)</td><td>भीतरी विवशता लेखन के लिए मजबूर करती है, जो आंतरिक अनुभूति से उत्पन्न होती है। किसी घटना विशेष का अनुभव जब घनीभूत होता है, तब मन में संवेदनशीलता अकुलाती है और यही अकुलाहट अभिव्यक्ति का आधार बनती है। अनुभव, आंतरिक अनुभूति, विवशता, संवेदना के बाद पृष्ठों पर कुछ उतरता है, बाहरी दबाव की अपेक्षा लेखन के लिए आंतरिक अनुभूति कहीं अधिक प्रभावी है। लेखक ने हिरोशिमा की विभीषिका को पत्थर पर उतरी मनुष्य की छाया से महसूस किया और इसी अनुभूति के घनीभूत होते ही हिरोशिमा पर कविता लिख दी।</td><td>4 अंक</td></tr>
<tr><td>(ग)</td><td>बढ़ती उपभोक्तावादी सोच, एकल परिवार को प्राथमिकता, वैयक्तिकता का प्रभावित होना, संवेदनशीलता में कमी आना आदि माता-पिता को दूर रखने के प्रमुख कारण हैं। ऐसे लोगों को भावात्मक रूप से समझाने की आवश्यकता है, उन्हें यह कहकर समझाया जा सकता है कि जैसा वे अपने माता-पिता के साथ कर रहे हैं, वैसा कल उनके साथ भी हो सकता है। वे वृद्धाश्रम भेजने से पूर्व माता-पिता के स्थान पर स्वयं को रखकर देखें।</td><td>4 अंक</td></tr>
<tr><td>प्रश्न 14.</td><td>दिए गए तीन अनुच्छेदों में से किसी <u>एक</u> विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन (अनुच्छेद लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु)
<table>
<tr><td>विषयवस्तु</td><td>4 अंक</td></tr>
<tr><td>भाषा</td><td>1 अंक</td></tr>
<tr><td>प्रस्तुति</td><td>1 अंक</td></tr>
</table>
</td><td>6×1=6</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td>प्रश्न 15.</td><td>दिए गए दो औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों में से किसी <u>एक</u> विषय पर 100 शब्दों में पत्र लेखन (औपचारिक व अनौपचारिक पत्र हेतु मूल्यांकन बिंदु)<table><tr><td>आरंभ व अंत की औपचारिकताएँ</td><td>1 अंक</td></tr><tr><td>विषयवस्तु</td><td>2 अंक</td></tr><tr><td>भाषा</td><td>1 अंक</td></tr><tr><td>प्रस्तुति</td><td>1 अंक</td></tr></table></td><td>5×1=5</td></tr>
<tr><td>प्रश्न 16.</td><td>दिए गए स्ववृत्त (बायोडाटा) व औपचारिक ई-मेल लेखन में से किसी <u>एक</u> विषय पर 80 शब्दों में लेखन [स्ववृत्त (बायोडाटा) व औपचारिक ई-मेल लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु]<table><tr><td>प्रारूप</td><td>2 अंक</td></tr><tr><td>विषयवस्तु</td><td>2 अंक</td></tr><tr><td>भाषा</td><td>1 अंक</td></tr></table></td><td>5×1=5</td></tr>
<tr><td>प्रश्न 17.</td><td>दिए गए विज्ञापन लेखन व संदेश लेखन में से किसी एक विषय पर 60 शब्दों में लेखन (विज्ञापन लेखन व संदेश लेखन हेतु मूल्यांकन बिंदु)<table><tr><td>विषयवस्तु</td><td>2 अंक</td></tr><tr><td>भाषा</td><td>1 अंक</td></tr><tr><td>प्रस्तुति</td><td>1 अंक</td></tr></table></td><td>4×1=4</td></tr>
</table>